क्यों नहीं खर्च किए जा रहे हैं। एक तो डिसइनवैस्टमेंट की पालिसी गलत है, दूसरा जो डिसइनवैस्टमेंट हो रहा है या बेचा जा रहा है, उस पैसे को कहां लगाया जा रहा है और तीसरा यह है कि जो एससी, एसटी के लोग हैं तथा बैकवर्ड क्लास के हैं, उनके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा कैसे होगी?

[अनुवाद]

अध्यक्ष महोदय : श्री अजय चक्रवर्ती, आप अपने विचार केवल दो वाक्यों में रख सकते हैं उससे अधिक नहीं।

श्री अजय चक्रवर्ती (बसीरहाट) : महोदय, हमारे देश की राजधानी में लाखों की संख्या में श्रमिक वर्ग एकत्रित हो रहा है...*(व्यवधान)*

[हिन्दी]

श्री विष्णु पद राय (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) : अध्यक्ष महोदय, हमें बोलने का मौका नहीं दिया जा रहा है। ...*(व्यवधान)*

अध्यक्ष महोदय : इनका नोटिस है आपका नोटिस नहीं है।

[अनुवाद]

श्री अजय चक्रवर्ती : श्रमिक वर्ग राजधानी में अपनी वेदना और भारत सरकार की श्रमिक विरोधी नीतियों के विरुद्ध एकत्रित हो रहा है। एक के बाद एक सरकारी क्षेत्र की इकाइयां निजी क्षेत्र की इकाइयों को हस्तांतरित की जा रही हैं। भारत सरकार सरकारी क्षेत्र की इन इकाइयों को भी बंद कर रही है जो लाभ अर्जित कर रही हैं। प्रतिष्ठित लाभ–अर्जक कंपनियां, जैसे– एच.पी.सी.एल. और बी.पी.सी.एल. को बंद किया जा रहा है और हजारों–हजार श्रमिकों को नौकरियों से निकाला जा रहा है। अपने पिछले चुनाव घोषणापत्र में भा.ज.पा. ने लोगों को प्रतिवर्ष एक करोड़ नौकरियां उपलब्ध कराने का वादा किया था। नौकरियां उपलब्ध कराए जाने के स्थान पर लाखों श्रमिकों को नौकरियों से निकाला जा रहा है...*(व्यवधान)*

अध्यक्ष महोदय : यह संभव नहीं है। एक से अधिक संसद सदस्य अपने विचार रख रहे हैं।

(व्यवधान)

श्री अजय चक्रवर्ती : आज मजदूर–संघों के नेतृत्व में लाखों श्रमिक भारत सरकार की श्रमिक विरोधी नीतियों का विरोध करने और अपनी वेदना व्यक्त करने एकत्रित हो रहे हैं। सरकार को अपनी नीति बदलनी चाहिए...*(व्यवधान)*

अध्यक्ष महोदय : मुझे खेद है कि मैं सभी संसद सदस्यों को बोलने की अनुमति नहीं दे सकता। कृपया बैठ जाइए। मुझे सरकार की प्रतिक्रिया मिलने दीजिए।

(व्यवधान)

[हिन्दी]

प्रधान मंत्री (श्री अटल बिहारी वाजपेयी) : अध्यक्ष महोदय, इसमें संदेह नहीं है कि प्रतिपक्ष ने जो मामला उठाया है, वह गंभीर है। लेकिन यह भी एक सच्चाई है कि मामला इस समय उठाने के बजाय अगर प्रतिपक्ष प्रश्नकाल के बाद यह सवाल उठाता तो ज्यादा अच्छा होता।...*(व्यवधान)* मैं नहीं जानता कि आधे घण्टे में कितने बेरोजगारों की संख्या बढ़ी है, लेकिन मैं यह जरूर जानता हूं कि आधा घण्टा हमने ऐसी बात के लिए बिताया है, जिस बात के ऊपर सदन में कोई मतभेद नहीं है।...*(व्यवधान)*

अध्यक्ष महोदय : अब कृपया शांत रहें। प्रधान मंत्री जी बोल रहे हैं, आप तो कम से कम मत बोलिए।

(व्यवधान)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : देश में बेकारी की विकराल समस्या है। सब पार्टियां बेकारी से लड़ना चाहती हैं, सब पार्टियां रोजगार के अवसर बढ़ाना चाहती हैं, लेकिन पार्टियां जानती हैं और जो सत्ता में हैं, वे तो और अच्छी तरह से जानती हैं, भले ही वे दिल्ली में सत्ता में न हों, कलकत्ता में हैं, वे अच्छी तरह से जानती हैं कि कठिनाई है।...*(व्यवधान)* मैं उस कठिनाई पर विचार करने के लिए तैयार हूं।

श्री सोमनाथ चटर्जी : कब?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : जब आप तय करें। लेकिन जिस तरह से चर्चा हो रही है, अससे कोई नतीजा नहीं निकलेगा, सोमनाथ बाबू। आपने मामला उठा दिया, मजदूरों में जाकर आप भाषण कर सकते हैं, हम भी यही धंधा करते थे, लेकिन हमने देखा कि इससे समस्या हल नहीं हुई है।...*(व्यवधान)*

श्री रूपचन्द पाल : आप इसे धंधा समझते हैं, लेकिन हमारे लिए यह प्रिंसीपल है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : रोजगार के अवसर बढ़ाने

का पूरा प्रयास हो रहा है। मैं आपको एक आंकड़ा देना चाहता हूं। हमने एक करोड़ रोजगार की बात कही थी। एक करोड़ हमारा लक्ष्य था, उस एक करोड़ की संख्या में से हम अभी तक 70 लाख लोगों को नए रोजगार दे सके हैं।...*(व्यवधान)* हम चर्चा के लिए तैयार हैं। आइए, एक बहस हो जाए।

[अनुवाद]

अध्यक्ष महोदय : कृपया शांत रहिए। प्लीज सुनिए, आप लोग बैठिए।

(व्यवधान)

श्री प्रियरंजन दासमुंशी : यह तथ्यतः गलत है। प्रधान मंत्री जी इस बात को स्पष्ट करें कि किन क्षेत्रों में ये 70 लाख रोजगार सृजित किए गए हैं।...*(व्यवधान)*

[हिन्दी]

अध्यक्ष महोदय : प्रभुनाथ सिंह जी, आप अपना पक्ष रखिए, वह रिकार्ड पर आ जाएगा।

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : प्लीज बैठिए। यह कार्यवाही–वृत्तांत में सम्मिलित किया जाएगा।

श्री रामजीलाल सुमन : प्रधान मंत्री जी के बयान का कोई अर्थ नहीं है, बेरोजगारों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है। ...*(व्यवधान)*

अध्यक्ष महोदय : प्लीज सिट डाउन, मैं खड़ा हूं। देखिए, आप लोगों ने प्रश्न उठाया है, आप लोगों ने अपने विचार रखे, प्रधान मंत्री जी ने उत्तर दिया। मेरी दृष्टि से यह प्रश्न आज के लिए पूरा हो गया है। मैं प्रभुनाथ सिंह जी को उनका प्रश्न रखने के लिए कह रहा हूं। प्रभुनाथ सिंह जी, आप अपना प्रश्न रखिए।

[अनुवाद]

श्री प्रियरंजन दासमुंशी : महोदय, प्रधान मंत्री जी कह रहे हैं कि 70 लाख नौकरियां सृजित की गई हैं...*(व्यवधान)* यह तथ्यतः ठीक नहीं है...*(व्यवधान)* अभी पूर्व प्रधान मंत्री, श्री चन्द्रशेखर ने कहा है कि 40 लाख नौकरियां समाप्त हो गई हैं,...*(व्यवधान)* यह तरीका नहीं है।

अध्यक्ष महोदय : आप इस विषय पर चर्चा कराए जाने की मांग कर सकते हैं। मैं इसे कार्य–मंत्रणा समिति के समक्ष ले जाऊंगा और यदि समिति सहमत होती है तो आपको चर्चा की अनुमति दूंगा।

(व्यवधान)

[हिन्दी]

अध्यक्ष महोदय : प्लीज बैठिए। आप इस विषय पर चर्चा कर सकते हैं। प्लीज बैठिए।

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, इस बयान का कोई मतलब नहीं है।...*(व्यवधान)*

अध्यक्ष महोदय : कृपया दूरदर्शन रिले बन्द किया जाए।

(व्यवधान)

श्री कांतिलाल भूरिया (झाबुआ) : प्रधान मंत्री जी ने कहा था कि हर साल हम एक करोड़ लोगों को रोजगार देंगे। ...*(व्यवधान)*

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, प्रधान मंत्री जी के बयान का सत्यता से कोई सम्बन्ध नहीं है।...*(व्यवधान)*

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर) : अध्यक्ष महोदय, हम इस विषय पर सदन का बहिष्कार करते हैं।

पूर्वाह्न 11.37 बजे

(तत्पश्चात श्री रामदास आठवले सभा भवन से बाहर चले गए।)

[अनुवाद]

अध्यक्ष महोदय : नारों को कार्यवाही–वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया जाना चाहिए। किसी नारे को कार्यवाही वृतान्त में सम्मिलित नहीं किया जाना चाहिए।

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : एक महत्वपूर्ण मुद्दा होने के नाते मैं आपको इस मुद्दे पर वाद–विवाद की अनुमति देने के लिए तैयार हूं। आप जो चाहते हैं माननीय प्रधान मंत्री जी से पूछ सकते हैं। यदि आप उनसे सहमत नहीं हैं तो आप उस मुद्दे पर चर्चा कर सकते हैं। यदि आप वाद–विवाद करना चाहते हैं तो इस मुद्दे पर एक विशेष वाद विवाद का प्रबन्ध किया जा सकता है। मैं इसे शीघ्रातिशीघ्र कार्य–मंत्रणा समिति के पास